7- 13Apr 2019

Cathedral Calling

Vol. 31 , No. 12

5th Sunday of the Lent

SACRED HEART CATHEDRAL
1, Ashok Place, New Delhi - 110001 23363593/23347304
CONNECT WITH US
sacredheartcathedralnewdelhi@gmail.com www.fb.com/shcdca
www.sacredheartcathedraldelhi.org

PARISH PRIEST'S CORNER

Message by Parish Priest

EVANGELII GAUDIUM

18) इन विशयों पर मैंने विस्तार किया है, इनके हर पक्ष को सूक्ष्मता से देखा है,जो कुछ लोग इसे अतिशय में मान सकते हैं। परन्तु मैंने यह इसलिए नहीं किया, क्योंकि मैं एक सुविस्तृत निबन्ध प्रस्तुत करना चाहता था, परन्तु केवल इसलिए कि मैं कलीसिया के वर्तमान मिशन के लिए इनका महत्वपूर्ण व्यवहारिक अर्थ बताना चाहता हूँ कि आप जो भी कार्य आरम्भ करें उसमें इसे अपनाएं। आप इस प्रकार अपने दैनिक प्रयासों के बीच पवित्र बाइबिल के इस उद्बोधन को सम्मिलित कर सकते हैः आप लोग प्रभु में हर समय आनन्दित रहें। मैं फिर प्रकार कहता हूं, आनन्दित रहें। **19)** शुभ–समाचार की घोशणा प्रभु येसु मसीह के इस मिशनरी आदेश के पालन से की जाती हैः "इसलिए तुम जाकर सब जातियों को शिश्य बनाओ और उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा दो। मैंने तुम्हें जो आदेश दिए हैं उन सबको पालन करना उन्हें सिखाओ" इन पदों में हम देखते हैं कि किस प्रकार मत्यूजय प्रभु येसु मसीह ने अपने अनुयायियों को हर समय और हर स्थान पर शुभ–समाचार का प्रचार करने के लिए भेजा जिससे संसार के कोने–कोने में लोगों का विश्वास उन में फैल जाए। **20)** परमेश्वर का वचन निरन्तर हमें यह दिखाता है कि परमेश्वर किस प्रकार अपने विश्वासियों का अपने दायरे से निकलने की चुनौती देता रहता है। अब्राहम को एक नये देश का जाने का आहवान प्राप्त हुआ। मूसा ने परमेश्वर का आहवान सुनाः अब तू जा, मैं तुझे भेजता हूं' और वह लोगों को प्रतिज्ञात देश की ओर ले गए। नबी यिर्मयाह से परमेश्वर ने कहाः मैं जिस–जिस व्यक्ति के पास तुझे भेजूंगा, तू उसके पास जाएगा। आज प्रभु येसु मसीह की आज्ञा कि जाओ और शिश्य बनाओ बदलते हुए परिदृश्य में प्रतिध्वनित हो सामने नयी चुनौतियां हैं और हम सभी को नए मिशनरी कार्य –हेतु अपने दायरे से बाहर निकलने का बुलावा दिया गया है। हर प्रभु येसु मसीहीय और हर समुदाय को उस मार्ग को पहचानना होगा जो प्रभु उसे दिखा रहे हैं, परन्तु हम सब को यह कहा गया है कि हम प्रभु के आहवान का पालन करते हुए अपने सुख–सुविधाओं के दायरे से बाहरर निकलकर उन सभी परिधियों तक पहुंचे सकें जहाँ सुसमाचार की ज्योति की आवश्यकता है। **21)** जो शुभ–समाचार का आनन्द शिश्यों के समुदाय में जान डाल देता है, वह एक मिशनरी आनन्द है। अपने मिशन से लौट बहत्तर शिश्यों ने इसका अनुभव किया था जब वह पवित्र आत्मा में आनंदित हुए और उन्होंने पिता की प्रशंसा की कि उसने अपने आपको निर्धनों तथा बच्चों पर प्रकट किया है। इसका अनुभव उन प्रथम धर्म प्रतिवर्तित लोगों ने भी पेन्तकोस्त के दिन किया था, और वे आश्चर्य –चकित थे कि हर एक अपनी–अपनी भाशा में प्रेरितों को बोलते सुन रहा है। यह आनन्द इस बात का चिन्ह है कि शुभ–समाचार की घोशणा हुई है और उसके फल उत्पन्न हो रहें हैं। फिर भी यह आवश्यकता तो सदैव बनी रहेगी कि हम अपने दायरे से बाहर आकर दूसरों को कुछ दे सकें, इस बात के लिए बाध्य हों कि आगे बढ़ कर अच्छे बीज बोते रहें। प्रभु कहते हैः आओ, हम आस पास के अन्य कस्बों में चलें; क्योंकि इसलिए तो मैं आया। जब एक बार एक स्थान पर बीज बो दिया जाता है तो प्रभु येसु मसीह वहां रूक कर समझते नहीं, और न ही वहां और चिन्ह–चमत्कार दिखाते हैं, वरन् पवित्र आत्मा उन्हें दूसरे नगरों की ओर आगे जाने के लिए प्रेरित करता है। **22)** परमेश्वर के वचन की सामर्थ का पहले से अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। शुभ–समाचार में बीज के बारे में यह कहा गया है कि एक बार उसे बो दिये जाने पर वह अपने आप बढ़ता जाता है, यदि किसान सो भी रहा हो, तब भी। कलीसिया को वचन की यह बन्धनहीन स्वतंत्रता स्वीकार करनी होगी और जो कुछ वह करना चाहता है, उसे उन तरीकों से पूरा कर लेता है जो हमारी समझ से परे है और उनकी गणना हम कर भी नहीं सकते। **23)** प्रभु येसु मसीह से कलीसिया की निकटता एक सार्वजनिक यात्रा का हिस्सा है; सहभागिता और मिशन गहन रूप से एक–दूसरे से जुड़े हुए है। स्वामी के उदाहरण के प्रति निश्ठावान रहने के लिए यह नितान्त आवश्यक है कि आज कलीसिया आगे बढ़ कर सभी स्थानों पर, सभी अवसरों पर, बिना किसी हिचकिचाहट या अनिच्छा या भय के शुभ–समाचार का प्रचार करे। शुभ–समाचार का आनन्द सब लोगों के लिए हैः किसी को भी छोड़ा नहीं जा सकता है। बेतलहेम में चरवाहों से इशदूत ने यही घोशणा की थी, मत डरो! छखो, मैं बड़े आनन्द का शुभ–समाचार सुना रहा हूं जो सब लोगों के लिए है। प्रकाशना ग्रंथ के अनुसार पृथ्वी पर रहनेवालों को हर एक राश्ट्र, भाशा, और कौम को सुनाने के लिए एक शाश्वत शुभ–समाचार है।

SCC MEETING

St. Mother Teresa SCC Meeting at Ms. Pushpa Minj House S-2/203, MS Apartment, KG Marg New Delhi on 11/4/2019, Thursday at 7:30pm

Parish Priest
Fr. Lawrence PR
Asst. Parish Priests
Fr. J. John Britto
Fr. Sampath Kumar
&
Dn. Richard

Mass Timings

Saturdays
6.30pm (Eng)
Anticipated Mass

Sundays
6.30 am - English
7.30 am - Malayalam
9.00 am - English
10.15 am - Hindi
11.30 am - English
4.30 pm - Hindi
6.30 pm - English

Weekdays
6.00 am- English
1.00 pm - English
6.30 pm - English

* *No mass at 1.00 pm on Saturdays*

Sunday Liturgy
14th April 2019

English 9:00am
St. Alphonsa
SCC Unit

Hindi 10:15am
Our Lady of Mt Carmel
SCC Unit

We thank every family who has sponsored the Cathedral Calling till now. Your suggestions and support would be appreciated

SUNDAY READINGS & REFLECTION

1st Reading: Isaiah 43:16-21

The people driven out of their homeland and deported to Babylon are in great despair. Isaiah assures them that God is planning something new for them.

Response Ps:126

What marvels the Lord worked for us!

Indeed we were glad.

2nd Reading: Phil 3: 8-14

Compared to gaining Christ Paul considers everything else in the wold as mere rubbish. The favorite theme of Paul, the righteousness by faith, is dealt with briefly in this passage.

Gospel: Lk 8: 1-11

Jesus does not bend to the pressure tactics of the Pharisees who want him to condemn the woman caught in adultery. Instead, he frees the woman from the clutches of her adversaries.

prayer of the faithful

What marvels the Lord worked for us!
Indeed were glad.

पहला पाठ : इसायस 43: 16–21

जब बाबुल के निर्वासन के समय यहूदी अपने देश से निकाल दिये गये थे, तो ईश्वर ने उन्हें इसायस द्वारा दिलासा दिया और यह आश्वासन दिया कि जिस तरह उसने उन्हें मिस्र से निकाला था, उसी तरह वह अब उन्हें फिर उनके अपने देश वापस ले चलेगा।

अनुवाक्यः स्तोत्र 126

प्रभु ने हमारे लिए अपूर्व कार्य किये हैं। हम अत्यंत आनन्दित हो उठे।

दूसरा पाठःफिलिप्पियों 3: 8–14

संत पौलुस हमसे कहते हैं कि उन्होंने मसीह के लिए सब कुछ छोड़ दिया। वह जीवन भर मसीह के ज्ञान में आगे बढ़ना चाहते हैं ताकि वह एक दिन मसीह के पास पहुँच सकें। हमें भी बराबर आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए।

सुसमाचारः संत लूकस 8: 1–11

फरीसी लोग व्यभिचारिणी को पाप के कारण दण्ड दिलाना चाहते हैं। येसु उसे एक नये निष्पाप जीवन के लिए प्रेरणा देते हैं।

विश्वासियों के निवेदन

प्रभु ने हमारे लिए अपूर्व कार्य किये हैं। हम अत्यंत आनन्दित हो उठे।

REFLECTION

Grace and truth have come through Jesus Christ. The Good News today is that God can take a very human, fault-filled person and offer that person forgiveness and call them to holiness. He "bent down and started writing on the ground with his finger." Perhaps, he is mimicking a Judge. May be, he is reminding them that, just as the finger of God wrote the ten commandments on the tablets of stone, he, as the Son of God is rewriting the Law. In any case, against the background of my own experience of doodling during prayer, I would like to suggest that Jesus was doing something more symbolic. Jesus bent down – bending down could be a symbol of humility; and doodling, as I said, is an act of integrating our thoughts and feelings. Therefore, I would like to think that Jesus was inviting the scribes and the Pharisees towards an act of introspection, a process of soul searching. Jesus is inviting the accused woman to do the same. Yes, on this 5th Sunday in Lent, Jesus is inviting us to humbly bend before our God and do soul-searching. He says, "For God sent his Son into the world not to condemn the world, but so that through him the world might be saved." This becomes so true for the accused woman, in the gospel story of today. Jesus asks her, "Woman, where are they? Has no one condemned you?" Then Jesus invites her to experience Grace and Truth "Neither do I condemn you" (Grace); "Go away, and from this moment sin no more" (Truth). She, who was brought to Jesus as to a Judge, finds in Him a Savior. She, who was at the verge of death, receives a new lease of Life. She, who perhaps was a victim, now has to take responsibility for her own choices. This is what our Lenten journey is about. It is a moment to experience the Grace of God. It is a time to rejoice in the saving justice of God. It is moment to look at the Truth about ourselves. It is a time of soul-searching. As St Paul tells us in the 2nd reading of today, "All I can say is that I forget the past and I strain ahead for what is still to come; I am racing for the finish, for the prize to which God calls us upwards to receive Christ Jesus."

मनन–चिंतन

व्यक्ति को ले सकते हैं और उस व्यक्ति को क्षमा कर सकते हैं और उन्हें पवित्रता के लिए बुला सकते हैं। वह "नीचे झुका और अपनी उंगली से जमीन पर लिखना शुरू कर दिया।" शायद, वह एक न्यायाधीश की नकल कर रहा है। हो सकता है, वह उन्हें याद दिला रहा हो, जैसे भगवान की उंगली में पत्थर की गोलियों पर दस आज्ञाएँ लिखी हैं, वह, जैसा कि परमेश्वर का पुत्र कानून लिख रहा है। किसी भी मामले में, प्रार्थना के दौरान अपने खुद के अनुभव के पृष्ठभूमि के खिलाफ, मैं यह सुझाव देना चाहूंगा कि यीशु कुछ अधिक प्रतीकात्मक कर रहे थे। येसु झुक गए - झुकना विनम्रता का प्रतीक हो सकता है; जैसा कि मैंने कहा, हमारे विचारों और भावनाओं को एकीकृत करने का एक कार्य है। इसलिए, मैं यह सोचना चाहूंगा कि यीशु आत्मनिरीक्षण की एक प्रक्रिया के लिए आत्मनिरीक्षण की एक प्रक्रिया के लिए शास्त्र और फरीसियों को आमंत्रित कर रहे थे। यीशु आरोपी महिला को ऐसा करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। जी हाँ, इस 5 वें रविवार को लेंट में, यीशु हमें अपने ईश्वर के सामने विनम्रतापूर्वक झुकने और आत्मा- खोज करने के लिए आमंत्रित कर रहा है। वह कहता है, "क्योंकि परमेश्वर ने अपने पुत्र को संसार में भेजा है कि वह संसार की निंदा न करे, लेकिन उसके द्वारा संसार को बचाया जा सकता है।" । आज अच्छी खबर यह है कि भगवान एक बहुत ही मानवीय, गलती से भरे तनाव बढ़ाऊं; मैं उस पुरस्कार के लिए दौड़ रहा हूं, जिसके लिए ईश्वर हमें मसीह यीशु को प्राप्त करने के लिए ऊपर की ओर बुलाता है। "

READINGS OF THE WEEK

08/Mon: Dan 13:1-62/Ps 23:1-6/Jn 8:12-20
09/Tue: Num 21:4-9/Ps 102:2-21/Jn8:21-30
10/Wed: Dan 3:14-20,91-95/Dn 3:52-56/Jn 8:31-42
11/Thu: Gen 17:3-9/Ps 105:4-9/Jn 8:51-59
12/Fri: Jer 20:10-13/Ps 18:2-7/Jn 10:31-42
13/Sat: Ezek 37:21-28/Jer 31:10-13/Jn 11:45-56
14/Sun:is 50:4-7/Ps 21:8-24/Phil 2:6-11/Lk 22:14-23:56

IN THE SACRAMENT
OF THE EUCHARIST
WE FIND GOD
WHO GIVES HIMSELF.

~Pope Francis~

PARISH NEWS

1. Next Sunday second collection will be taken for seminary fund.

2.We will be shifting to **Summer Mass Timing** from 1st April, 2019. On Sundays Hindi Mass at 4:30pm and English Mass at 6:30pm. Kindly look at the notice Board for detailed timing.

3. Next Sunday we celebrate Palm Sunday: Blessing of the Palm will be 10:10am at St. Columbas' School Ground. look at notice board for details.

4. kindly carry a candle each with you on Easter Vigil Service.

5. Next Sunday 14th April 2019 Annual Way fo the Cross, at the Archdiocesan level, will be starting from St. Mary's Church, Old Delhi to Sacred Heart Cathedral, begin at 2pm. For details look at notice board.

5. All those who would like to sponsor for the Holy Week, can do so by making your contribution in the box which is kept outside the Church for this purpose. Have a look at the Notice Board for the particulars to be sponsored

6. Chrism Mass will be celebrated on 16th of April 2019, Tuesday at 6:30pm. Holy Oil will be blessed on that day. We are request all of you kindly join this celebration praying for all ordained priests and they will renewing their Priestly Promises.

7. The Sacrament of reconciliation will be administered on the Holy Wednesday 17th April,2019 from 5pm onwards. requested to make use of the given opportunity.

8. Students who want to avail Fr. Luca education Scholarship may collect the forms from the parish office. This is need based Scholarship on the economic criteria.

9. Next Sunday onwards kindly follow the Liturgy for the Holy Week Schedule which is in notice board.

"Reconciliation is the physical demonstration that God is at work in the world. Any fool can put people at odds. Only God – one Lord, one faith, one baptism, one God and Father of all – can bring those opposed to one another together as sisters and brother. When we lose reconciliation, we lose the purposes of Jesus."

"Reconciliation and forgiveness are matters of the heart. They cannot be forced on the people."

This issue is sponsored by
Mr. David & Assumpta

Note

Palm Sunday

The English Mass at 6am remain cancelled

Easter Sunday

The English Mass at 6am and the Hindi Mass at 4:30pm remain cancelled.

#Kindly note that from 1st April 2019 we switch over to Summer Mass timings.

Holy Week Schedule-2019
Sacred Heart Cathedral, Archdiocese of Delhi

Date	Time	Service	Venue
Palm Sunday 14-4-2019	7:00am Malayalam 9:00am English 10:30am Hindi 11:45am English 4:30pm Hindi 6:30pm English	Blessing of the Palm at 10:10 am, at St. Columba's ground followed by procession and Holy Mass	Sacred Heart Cathedral
Holy Tuesday 16-4-2019	6:30 pm	Chrism Mass	Sacred Heart Cathedral
Holy Wednesday 17-4-2019	5:30 pm	Confessions	Sacred Heart Cathedral
Maundy Thursday 18-4-2019	7:30 am	Last Supper (Malayalam)	Sacred Heart Cathedral
	6:30 pm	Last Supper	Sacred Heart Cathedral
	9:00 pm-10:00 pm	Adoration by CA and Parish Council	DCC Hall
	10:00 pm-11:00 pm	Syro-Malabar Com.,	DCC Hall
	11:00 pm-12:00 pm	Religious Com.,	DCC Hall
Good Friday 19-4-2019	09:00 am	Way of the Cross (Mal)	SHC
	12:00 pm	Way of the Cross (Eng)	SHC
	05:00 pm	Way of the Cross (Hin)	St. Columba's Gnd
	06:30 pm	Passion of Christ	St. Columba's Gnd
Easter Night Vigil 20-4-2019	11:00 pm	Easter Night Vigil *Kindly bring candles*	St. Columba's Gnd
Easter Sunday 21-4-2019	07:30 am	Mass (Malayalam)	SHC
	09:00 am	English	SHC
	10:15 am	Hindi	SHC
	11:30 am	English	SHC
	6:30 pm	English	SHC